2. व्यष्टी अर्थशास्त्र का समष्टी अर्थशास्त्र की ओर संक्रमण

Transition from Micro Economics to Macro Economics

व्यष्टी एवं समष्टी अर्थशास्त्र की विचारधाराये एकदूसरे की प्रतियोगी न होकर पूरक हैं। इनकी पारस्परिक निर्भरता का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है की, इनमेसे कोई भी एक दुसरे के बिना अपूर्ण है। जबतक इन दोनो का समनव्य नहीं कर दिया जाता, हम आर्थिक प्रणाली का वैज्ञानिक ढग से अध्ययन नहीं कर सकते।
व्यष्टी एवं समष्टी अर्थशास्त्र की पारस्पारिक निर्भरता इस बात से स्पष्ट होती है की, दोनो एकदुसरे के विकास में योगदान देते है। उदा. विनियोग का सिद्धांत व्यष्टी अर्थशास्त्र का विषय है परन्तु यह सम्पूर्ण अर्थव्यवस्थापरं भी लागू होता है, तथा रोजगार बढाने के लिये प्रोफेसर केन्स ने कुल विनियोग को महत्वपूर्ण स्थान दिया है। व्यष्टी अर्थशास्त्र की विषय सामग्री भी समष्टी अर्थशास्त्र द्वारा प्रभावित होती है। व्याज की दर का सिद्धांत व्यष्टी अर्थशास्त्र का विषय है परंतु यह ऐसे तत्वो से प्रभावित होता है जो वास्तव में समष्टी अर्थशास्त्र से समबंधीत होते है, मुद्रा की पुर्ती तथा लोगों की तरलता पसंदगी।

व्यष्टी अर्थशास्त्र का समष्टी अर्थशास्त्र की ओर संक्रमण

Transition from Micro to Macro Economics

परंपरावादी और नवं-परंपरावादी अर्थशास्त्रीयो ने अपनी ग्रँथ रचना करते समय व्यष्टी और समष्टी अर्थशास्त्र ऐसी दोनो पद्धतीयों का अवलंब किया है। परन्तु व्यष्टी अर्थशास्त्र को एक आर्थिक विश्लेषण की पद्धती के रूप में विकसित और समृद्ध करने का श्रेय डॉ. मार्शल को जाता है।उसी प्रकार आर्थिक सिद्धांत में एक विशिष्ट पध्दती के रूप में समष्टी अर्थशास्त्र का उपयोग कर ऊसे विकसित करने का श्रेय केन्स को जाता है।
१९३६ में केन्स ने "आय, ब्याज और रोजगार का सिद्धांत" **(General Theory of Employment, Interest and Money)** जइसे सामान्य सिद्धांत के नाम से भी जाना जाता है, यह ग्रँथ प्रकाशित किया और उसमें रोजगार का विश्लेषण करते समय समष्टी दृष्टिकोण का स्वीकार किया। तबसे व्यष्टी अर्थशास्त्र से समष्टी अर्थशास्त्र की ओर संक्रमण की वास्तविक प्रक्रिया शूरु हुई। अर्थात , यह संक्रमण लाने के लिये। निमनलिखित बाते कारणीभूत है----

संक्रमण के कारण----

1. दृष्टीकोण में अंतर : Difference in Approaches
2. मान्यताओ में अंतर : Difference in Assumptions
   क) किंमत स्तर (Price Level)
   ख) व्यापार चक्र (Business Cycle)
3. आर्थिक वृद्धी: Economic Growth
4. नितीत्मक उपाय: Policy Measures

व्यष्टी एवं समष्टी अर्थशास्त्र में अंतर : **Difference Between Micro & Macro Economics**

व्यष्टी अर्थशास्त्र	समष्टी अर्थशास्त्र
१. व्यष्टी अर्थशास्त्र के व्यवहार एकही आर्थिक चलानुसार अर्थात मूल्यानुसार निर्धारित होते है।	१. समष्टी अर्थशास्त्र के व्यवहार आय द्वारा निर्धारित होते है।
२. व्यष्टी अर्थशास्त्र को संतुलन अर्थशास्त्र माना जाता है।	२. समष्टी अर्थशास्त्र को असंतुलन का अर्थशास्त्र माना जाता है।
३. व्यष्टी अर्थशास्त्र का सम्बन्ध उत्पादन एवं मूल्य निर्धारण से सम्बन्धीत है।	३. समष्टी अर्थशास्त्र का सम्बन्ध निवेश, रोजगार, भूगतान संतुलन- असंतुलन, उसके कारण एवं उपाययोजनाओं के अध्ययन से है।

समाप्त